॥ ॐ श्रीपरमात्मने नमः॥

त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये ।
गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ॥

संकलन कर्ता

बालशुक पं.श्रीराधेजी महाराज

मो.८७६९६१९६५५

माँ शक्ति दादी की आरती
|दोहा||
शक्ति कोटासर धाम हैं, कलजुग के अवतार ।
भलो कीजौ भक्त को, माँ विनती बारम्बार ॥
||आरती||
ॐ जय श्रीशक्ति दादी,माँ जय श्रीशक्ति दादी |
आप हो जग की माता,जगदम्बा आदि ||१|| ओम् जय...
कोटासर में विराजत,महिमा अति भारी |
लाल चुंदड़ी सोहे,मूरत छबि प्यारी ||२|| ओम् जय...
जोशीकुल पर मैहर किन्ही,सब जग को तार्यो |
जो कोई शरणे आयो,सकल काज सार्यो ||३|| ओम् जय...
प्रगट भई कलजुग में,ब्राह्मण कुल मांई |
वंश उज्ज्वल कीन्हो,कोटासर आई ||४|| ओम् जय...
दादी शक्ति की आरती,जो कोई नर गावे |
रचना किन्ही श्रीराधे,दुःख दारिद जावे ||५|| ओम् जय...

श्री माँ शक्तिदादी चालीसा
||दोहा||
श्रीगुरु गणपति शारदा,नमन् वीर हनुमान।
सक्ति गुण वरणंन करूँ,दीज्यो भगती मोहे ज्ञान।।
निर्मल यश वरणंन करूँ,सक्ति दादी को आधार।
1
उपाध्याय कुल में प्रकासिया,ज्यांरी महिमा अपरम्पार।।

2
|| चौपाई||
हे सक्ति दादी भगत हितकारी | भगत जनन की प्राणान् प्यारी ||1
काली दुर्गा रूप भवानी| चामुण्डा संग सक्ति महारानी ||2
आदि अंत को पार न पाऊँ| मति अनुरूप सक्ति गुण गाउँ ||3
चामुण्डा चण्ड मुण्ड संहारी| कुलदेवी माँ शरण तिहारी||4
सक्ति से ब्रह्मा प्रकट भु करहि| पालन विष्णु सक्ति से सरहि||5
शंकर सक्ति से करे संहारा| भई सक्ति जगत आधरा ||6

भरद्वाज कुल ब्राह्मण जानी। ब्रह्मा मुख से प्रकट बखानी ।।7
जोशी वंश कुँ पावन कीन्हो। जनम उपाध्या कुल में लीन्हों ।8।
चामुण्डा चण्डी अवतारा । शक्ति सरूप जानत जग सारा ।।9
उपाध्याय वंश प्रगटी महतारी। मुख प्रसन माना अवतारी।।10
अद्भुत तेज मुख पर छाये। पितु जननी मन में हर्षाये ।।11
बाल पने में ध्यान लगावे। मात् पिता संग हरि गुण गावे।।12

मेघासर माँ पीहर बतायो । माना नाम मात धरायो।।13
मरुधर देश बीकाणे मांही । कोटासर जोशी घर ब्याही।।14
नगर कोटासर मंगलाचारा । गावे सुमंगल गीत अपारा।।15
जब से दादी कोटासर आई । नगर मंहु सुख सम्पत्ती छाई।।16
मात पिता गौ सेवा करती । कर प्रणाम भूमि पग धरती।।17
कुलदेवी चामुण्डा ध्यावै । धुप दिप दई भोग लगावै।।18

विधना की गति टारी ना जाये | पति परमेश् स्वर्ग सीधाये||19
सात सतियों का सुमिरन कीन्हा | पुत्र हाथ ले तन तज दीन्हा||20
पंद्रह सौ बावन गउ धामा | माना भयो सक्ति को नामा||21
माता की ममता अधिकाई | देव रूप कुल तारण आई||22
सक्ति दादी का रूप बणाया | नर नारी सब शरणे आया||23
कोटासर में मंदिर सोवे | लाल ध्वजा गुमद् फेरावे||24

मरुधर देश में धाम विराजे । झालर शंख नगारा बाजे।।25
कली काल में आप पधारे । परचा देहि सकंट सब टारे।।26
शक्ति कृपा सुरतरु की छाया । हरहि दरिद्र सुधरहिं काया।।27
कर में आपके बालक साजे । अपने जन के कारज साजे।।28
सुदी सातम् को मेला भारी । अशिवन मास की महिमा न्यारी।।29
चुङो चुंदङी मात चढ़ावे । अमर सुहाग की आशीष पावे।।30

प्रेम सहित जो पलना चढ़ावे। निपुत होई वो पूत खिलावे ।।31
थारी महिमा को पार ना पावे। जो ध्यावे इच्छित फल पावे।32।
दादी नाम की महिमा भारी। परचा लागे है अति प्यारी।।33
प्रथम करहिं कुलदेवी पूजा। धरेहि ध्यान सक्ति का दूजा।।34
सत् स्वरूप शक्ति महारानी। दर्शन करत हियें हर्षानी।।35
दुःख अनैक जगत में पाये। हम सब तेरी शरणे आये।।36

हम बालक तू मात हमारी। मेटो कुसंकट आरत भारी।।37
अनगिन रूप शक्ति भवानी। "राधेजोशी"चरित बखानी।।38
प्रेम सहित जो जपत चालीसा। भुत प्रेत सब मिटेहि कलेशा।।39
भगत जोशी शरण में आयो। दादी चालीसा भण के गायो।।40.

|| दोहा||
जग में देवी जोशीणी,ध्याऊँ में दिन अरु रात।
कोटासर में आप विराजो,जोशीकुल री मात ।।
चालीसा रचियता भागवताचार्य
बालशुक श्रीराधेजी महाराज (उपनाम हुकम जोशी)
कोटसर, दुलचासर (बीकानेर)विद्यापीठ गुरु कुल वृन्दावन..✍
मो.8769619655
चामुंडा माता

श्री माँशक्तिदादी चालीसा (कोटमसर धाम)
॥सर्वबाधा मुक्ति व कामना सिद्ध पाठ॥
नित्य माँ चामुंडा देवी या माँ शक्तिदादी के विग्रह के आगे
गूगल धूप गो घृत के दीप देकर सिंदूर पत्र पुष्प प्रसाद चढ़ा कर।
४१ दिन तक ११०० पाठ करने से व्यक्ति की समस्त बाधाएं दूर होती हैं।
विशेष- नवरात्रि में ९ दिन अनुष्ठान प्रद्धति से ११०० पाठ करने से फल शीघ्र मिलता हैं।
नियम व विधि -ॐ ऐं ह्री क्ली चामुण्डायै विच्चे मन्त्र
के ११०० जप साथ करें, सात्विक भोजन करें, काम क्रोध से दूर रहें,
नित्य बुजुर्गों का सन्मान करे, ८ वर्ष तक कि कन्याओं से आशीर्वाद प्राप्त करें और
गौ सेवा करें। इस तरह से पाठ करने से व्यक्ति की हर सात्विक कामना पूर्ण होती हैं।
ये अनुभूति प्रयोग हैं॥
॥भागवताचार्य॥
बालशुक पं.श्रीराधे जोशी